

06/01/24

पञ्जाबी पेश हुई। सांभ 05.00 बजे तक
बार-बार भावाज दिली जमी है। जायी
असातन व वकालत अनुपायेत है भवः
जायी का जायी का अफम हाजरी अफम
पैरवी के स्वारीज मिया जाता है
पञ्जाबी पैसय सुमार होकर दफ नम्य
से कम है तथा वारिकेन जायत है



[Handwritten signature]